Title of the Project

बेतला नेशनल पार्क एवं बेतला राष्ट्रीय उद्यान की भौगोलिक स्थिति का दर्शन

GULAB CHAND PRASAD AGARWAL COLLEGE

Sadma, Chhattarpur, Palamau

Bachelor of Geography (Hons) Project Report Submitted to

बेतला राष्ट्रीय पार्क / बेतला राष्ट्रीय उद्यान Betla National Park

भूमिका

झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थल में से एक है प्रकृति की गोद में मनोरम छटा बिखेरता बेतला नेशनल पार्क लातेहार और पलामू के सिमा पर फैला बेतला नेशनल पार्क उस अमूलय धनोहर का नाम है जिसकी सुंदरता और खूबसूरती हरे भरे जंगल नदी और झरने वन्यजीव जिनकी मौज्दूजगी से सुसमा का एक आभाष होता है , यहाँ अनेकों प्रकार के वन्यजीव जंतु औषधी और पेड़ पौधे जिनके वर्णन के लिए पर्यटकों के पास शब्द नहीं होते है इस खूबसूरती को बटोरनी देश के कोने कोने से यहाँ सैलानियों का आवागमन लगा रहता है

डालटनगंज से 25 km दूर लातेहार से 70 कम दूर और राज्य की राजधानी राँची से 170 दूर स्थित है बेतला नेशनल पार्क निकटम एयरपोर्ट बिरसा मुंडा हवाई अड्डा (रांची) तक वायुपथ से और डालटनगंज से आसानी जाया जा सकता है उसके बाद बस के द्वारा बेतला नेशनल पार्क पहुँच सकते है

पार्क सुबह के 6 बजे से 10 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम के 6 बजे तक खोले जाते है घूमने आए लोगों के लिए ठहरने हेतु उत्तम व्यवथा किया गया है सरकारी और प्राइवेट लॉज ट्री हाउस (tree house) और (Hotal) का रूम 1 हजार से 3 हजार तक मिल जाता है | यहाँ आने का बेहतर समय नवम्बर से मार्च तक का होता है

प्रस्तावना

झारखंड राज्य के पलामू और लातेहार सिमा के बिच स्थित यह बेतला नेशनल पार्क 26 वर्ग किलोमीटर में फैला पलामू टाइगर रिज़र्व में से एक है जिसे 1974 में टाइगर रिज़र्व का दर्जा दिया गया था भारत में ही नहीं पुरे विश्व में पहेली बार टाइगर की गणना 1932 बाघों की गणना यहीं से किया गया था पार्क में औरंगा और कोयल नदी की मौजूदगी बेतला को शीतल बनाए रखा है | दोनों नदी और भी अद्भूत लगती है जब इनकी धाराए आपस में केचकी नामक स्थान पर मिलती है इस संगम स्थल का खूबसूरती हर मामले में रोमांचित कर देनी वाली है यही कारन पर्यटकों का पसंदीदा स्थल है | काफी संख्या में लोग अपने मित्रों वा परिजानों से साथ छुटियों में आते हैं

बेतला नेशनल पार्क में हाथी , तेंदुवा ,हिरन जंगली भालू बन्दर मोर चीतल आदि जानवर मिल सकते है विभिनन प्रकार की पक्षियों का चहचहाट पुरे क्षेत्र में गुजती रहती है इस पार्क के पास 16 वीं शताब्दी का एक किला भी बना हुवा है जो चेरो साम्राज्य की सम्बृद्धि का गाथा बयां करती है यह किला पलामू किला के नाम से प्रसिद्ध है |

बेतला की खूबसूरती ने बड़े हस्तियों का भी धयान अपने ओर आकर्षित किया है फिल्म हस्ती का बड़े सितारें दिलीप कुमार उनकी पतनी सायरवाणु हस्य अभिनेत्र जॉनी वॉकर भी बेतला का आनंद उठा चुके है 1980 में अटल बिहारी बाजपेय ने बेतला नेशनल पार्क में हाथियों का सवारी की थी 1973 में सत्यजीत राय की फिल्म अरनियर दिन रात्री (Aranyer Din Ratri) का शुटींग हुआ था

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 6 से 8 नवम्बर 2020 में यहाँ बेतला महोत्सव का आयोजन किया था | इतनी मिली बिरासत यहाँ की लोगों के लिए वरदान से काम नहीं है, देश के अन्य राज्य सिक्किम मेघा में जिनका आर्थिक बिकास पर्याटकों से ही जुड़ा हुआ है सऊदी अरब जो अरबों रुपय खर्च कर टूरिसम को बढ़ावा दे रहा है ताकि आने वाले समय में पर्यटक इन जगहों का मुरीब बन जाए | ठीक वैसे ही बेतला नेशनल पार्क को रोजगार के लिए नए औसर बनाने की आवश्कता है इसके लिए पार्क को सवारने और निहारने की जरुरत है जो सरकारऔर लोगों के द्वारा ही संभव है यदि सरकार को रोजगार की नए औसर बनानी है तो इस क्षेत्र की पहचान को विस्तार करना होगा | जगह – जगह बैनर पोस्टर लगवाना होगा ,जैसे नेता मंत्री अपनी चुनाव और रैलियों में लगवाते है बच्चों के लिए चिल्ड्रेन्स पार्क बनवाने की आवश्कता है आज के विज्ञान तकनिकी के साथ नई सुंदरता देना होगा |

Short-nosed Fruit Bat	Cynopterus sphinx	छोटी नाकवाली चमगादड़
Sloth Bear	Melursus ursinus	भालू
Small Indian Civet	Viverricula indica	खटास
Small Indian Mongoose		छोटा नेवला
Striped Hyena	Hyaena hyaena	लकड़बग्घा
Three-striped Palm Squirrel	Funambulus palmarum	गिलहरी
Tiger	Panthera tigris	बाघ
Wild Pig	Sus scrofa	जंगली सुअर
Wolf	Canis lupus	भेड़िया

पक्षी

पलामू जैसे किसी वन के सबसे आकर्षक एवं रंगबिरंगे निवासी पक्षी ही होते हैं। पलामू में 174 प्रकार के पक्षी हैं। इनमें शामिल हैं ओपरा चील, शिकरा आदि शिकारी पक्षी, मोर, तीतर, लाल जंगली मुर्गी जैसे जमीन पर रहनेवाले पक्षी, छपका, उल्लू, घुग्घू आदि रात्रिचर पक्षी, जलमोर, बगुले आदि जलपक्षी। कुछ अन्य सुंदर पक्षियों में शामिल हैं भृंगराज, धनेश, किलकिला और कोयल। कोयल झारखंड का प्रतीक पक्षी है। पलामू के पक्षियों की पूर्ण सूची

पलामू के पक्षियों की सूची

अंग्रेजी नाम	वैज्ञानिक नाम	हिंदी नाम
Alexandrine Parakeet, Large Indian Parakeet	Psittacula eupatria	हीरामन तोता
Ashy Swallow Shrike	Artamus fuscus	
Ashy Wren Warbler	Prinia socialis	सलेटी फुदकी

Indian Bush Rat	Golunda elliotl	चूहा
Indian Field Mouse	Mus booduga	मूस
Indian Flying Fox	Pteropus giganteus	बड़ा चमगादड़
Indian Fox	Vulpes bengalensis	लोमड़ी
Indian Gerbille	Tatera indica	मरु मूषक
Indian Giant Squirrel	Ratufa indica	भारतीय विशाल गिलहरी
Indian Hare	Lepus nigricollis	खरगोश
Indian Pangolin	Manis crassicaudata	वज्रशल्क
Indian Porcupine	Hystrix indica	सेही
Indian Wild Dog	Cuon alpinus	सोनकुत्ता, ढोल
Jackal	Canis aureus	गीदड़, सियार
Jungle Cat	Felis chaus	जंगली बिल्ली
Leopard	Panthera pardus	तेंदुआ
Long-tailed Tree Mouse	Vendeleuria oleracea	लंबी पूंछवाला तरु मूषक
Mouse Deer	Tragulus meminna	पिसूरा, मूषक मृग
Nilgai	Boselaphus tragocamelus	नीलगाय
Ratel	Mellivora capensis	बिज्जू
Rhesus Macaque	Macaca mulatta	बंदर
Sambhar	Cervus unicolor	सांभर

पक्षियों की 174 जातियां

छोटे जीवधारियों की असंख्य जातियां

पलामू के इस विविध जीव-समुदाय को सहारा देने के लिए वहां वास-स्थलों और पारिस्थितिक तंत्रों की पर्याप्त विविधता है।

पलामू के स्तनधारी

भारत में पाए जानेवाले लगभग सभी बड़े स्तनधारी प्राणी, मसलन बाघ, हाथी, गौर, तेंदुआ, सोन कुत्ता, सांभर और तेंदु आ पलामू में विद्यमान हैं। कुल मिलाकर पलामू में स्तनधारियों की 47 जातियां हैं। इनमें से कुछ प्रमुख स्तनधारियों के बारे में

पलामू के स्तनधारियों की सूची

अंग्रेजी नाम	वैज्ञानिक नाम	हिंदी नाम
Barking Deer	Muntiacus muntjak	काकड़
Chital	Axis axis	चीतल
Chowsingha	Tetraceros quadricornis	चौसिंगा
Common Langur	Presbytis entellus	लंगूर
Common Mongoose	Herpestes edwardsi	नेवला
Common Palm Civet	Paradoxurus hermaphroditus	मुसंग
Elephant	Elephas maximus	हाथी
Fruit Bat	Rousettus leschenaulti	गादुर
Gaur	Bos gaurus	गौर
Grey Musk Shrew	Suncus murinus	छछुंदर

यह श्री आर सी सहाय, तत्कालीन क्षेत्र निदेशक, पलामू आरक्ष द्वारा तैयार की गई। इसकी कालावधि 1987-88 से 1996-97 तक थी। इस योजना के उद्देश्यों में शामिल थे

वैज्ञानिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं पारिस्थितिकीय संतुलन हेतु बाघ और अन्य वन्य जंतुओं और आरक्ष के पेड़-पौधों की उपयुक्त संख्या बनाए रखना। इस योजना के दौरान आरक्ष में चौमुखी प्रगति देखी गई। पानी के मामले में आरक्ष लगभग आत्मनिर्भर हो गया। कोर क्षेत्र में चराई और मानव-जनित आग को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया गया। जहां भी खरपतवार हटाए गए, वहां साल और खैर का सफल पुनरुत्पादन हुआ। जंगली जानवरों की संख्या भी बढ़ी। पालतू पशुओं के टीकाकरण पर काफी ध्यान दिया गया, विशेषकर मुंह-खुर रोग के विरुद्ध। इसके कारण इस भयंकर बीमारी के कारण गौरों के मरने की घटनाएं नियंत्रित हुईं। शाकाहारी प्राणियों और बाघ की गणना नियमित रूप से होती रही।

वन्यजीव गणना के आंकड़े

वर्ष	बाघ	तेंदुआ	हाथी	गौर	चीतल
1992	55	60	115	727	15,688
1993	44	60	119	721	15,232
1994	49	60	140	740	15,318
1995	50	61	155	593	15,859
1996	40	60	158	517	13,014
1997	44	64			
1999	37-46	53-55	2018	361	13,134
2000	37	53-55	175	322	12,969
2002	38-40	59-60	181-199	246	14,375
2003	36-38	62	205-215	249	12,586
2004	38	62	260	260	13,147

पलामू जैविक विविधता की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। पलामू में है

- पौधों की लगभग 970 जातियां, जिनमें शामिल है
  - 139 जड़ी-बूटियां
  - घासों की 17 जातियां
- स्तनधारियों की 47 जातियां

अवस्थिति	लातेहार जिला, झारखंड, भारत
निकटतम शहर	मेदिनीनगर
निर्देशांक	23°41'20"N 84°14'56"E 23.68889°N 84.24889°E
क्षेत्रफल	1,129.93 किमी²
स्थापित	नवम्बर, 1973
शासी निकाय	झारखंड वन विभाग

पलामू ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। सन 1857 की क्रांति में पलामू ने अहम भूमिका निभाई थी। चेरो राजाओं द्वारा निर्मित दो किलों के खंडहर पलामू व्याघ्र आरक्ष में विद्यमान हैं। पलामू में कई प्रकार के वन पाए जाते हैं, जैसे शुष्क मिश्रित वन, साल के वन और बांस के झुरमुट, जिनमें सैकड़ों वन्य जीव रहते हैं। पलामू के वन तीन नदियों के जलग्रहण क्षेत्र को सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये नदियां हैं उत्तर कोयल औरंगा और बूढ़ा। 200 से अधिक गांव पलामू व्याघ्र आरक्ष पर आर्थिक दृष्टि से निर्भर हैं। इन गांवों की मुख्य आबादी जनजातीय है। इन गांवों में लगभग 1,00,000 लोग रहते हैं। पलामू के खूबसूरत वन, घाटियां और पहाड़ियां तथा वहां के शानदार जीव-जंतु बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

इतिहास

पलामू में वैज्ञानिक संरक्षण प्रयासों का इतिहास काफी लंबा है। देश में बाघों की गणना पहली बार पलामू में ही सन 1932 को हुई थी।

प्रथम प्रबंध योजना

पलामू की प्रथम प्रबंध योजना (1974-75 से 1978-79) भारतीय वन सेवा के श्री बी. एन सिन्हा ने तैयार की। आप उस समय रांची कार्यालय में दक्षिणी अंचल के योजना अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे। इस योजना के प्रमुख उद्देश्य थे जल-स्रोतों का विकास, अवैध शिकार की रोकथाम, जंगल में मवेशियों की चराई नियंत्रित करना, अग्नि सुरक्षा प्रबंध और आरक्ष के लिए बेहतर संरचनात्मक सुविधाएं प्राप्त करना।

द्वितीय प्रबंध योजना

पलामू बाघ आरक्षित वन

पलामू व्याघ्र आरक्षित वन झारखंड के छोटा नागपुर पठार के पलामू ज़िले में स्थित है। यह 1974 में बाघ परियोजना के अंतर्गत गठित प्रथम 9 बाघ आरक्षों में से एक है। पलामू व्याघ्र आरक्ष 1,026 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें पलामू वन्यजीव अभयारण्य का क्षेत्रफल 980 वर्ग किलोमीटर है। अभयारण्य के कोर क्षेत्र 226 वर्ग किलोमीटर को बेतला राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित किया गया है। पलामू आरक्ष के मुख्य आकर्षणों में शामिल हैं बाघ, हाथी, तेंदुआ, गौर, सांभर और चीत।

पलामू व्याघ्र आरक्ष

Palamu Tiger Reserve

आईयूसीएन श्रेणी द्वितीय (II) (राष्ट्रीय उद्यान)

बेतला राष्ट्रीय उद्यान और पालामऊ व्याघ्र आरक्ष का द्वार

पलामू व्याघ्र आरक्ष

Bank Myna	Acridotheres ginginianus	गंगा मैना
Barn Owl, Screech Owl	Tyto alba	करैल
Barred Jungle Owlet	Glaucidium radiatum	
Baya, Weaver Bird	Ploceus philippinus	बया
Baybacked Shrike	Lanius vittatus	पचनक लटोरा
Black Bird	Turdus merula	
Black Drongo, King Crow	Dicrurus adsimilis	कोतवाल, भुजंगा
Black Ibis	Pseudibis papillosa	मुंडा, काला बुज्जा
Black Partridge	Francolinus francolinus	काला तीतर
Blackbellied Finch Lark	Eremopterix grisea	दियोरा
Blackbreasted Quail, Rain Quail	Coturnix coromandelica	चनक, चीनी बटेर
Blackbreasted Weaver Bird	Ploceus benghalensis	सरबो बया
Blackheaded Cuckoo Shrike	Coracina melanoptera	कलसिरी कसाया
Blackheaded Munia	Lonchura Malacca	नकलनूर
Blackheaded Oriole	Oriolus xanthornus	टोपीदार पीलक
Blacknecked Stork	Ephippiorhynchus asiaticus	लोहारजंग
Blackwinged Kite	Elanus cairuleus	कपासी
Blackwinged Stilt	Himantopus himantopus	गजपांव
Blossomheaded Parakeet	Psittacula cyanocephala	टुइयां तोता

Blue Jay, Indian Roller	*Coracias benghalensis*	नाथ
Bluelegged Bustard	*Turnix suscitator*	गुलु
Bluetailed Bee-eater	*Metros philippinus*	नीलपूंछ पतरिंगा
Bluethroated Barbet	*Megalaima asiatica*	कुटरू
Brahminy Kite	*Haliastur indus*	ब्राह्मणी चील
Brahminy Myna, Blackheaded Myna	*Sturnus pagodarum*	पवई
Brown Fish Owl	*Bubo zeylonensis*	मुआ
Cattle Egret	*Bubulcus ibis*	गाय बगुला
Chestnut Bittern	*Ixobrychus cinnamomeus*	लाल बगुली
Chestnutbellied Nuthatch	*Sitta castanea*	सिरि
Chestnutheaded Bee-eater	*Metros leschenaulti*	
Collared Scopes Owl	*Otus bakkamoena*	धरकाली कुराद
Common Babbler	*Turdoides caudatus*	चिलचिल
Common Green Pigeon	*Treron phoenicoptera*	हरियल
Common Grey Hornbill	*Tockus birostris*	लामदार धनेश
Common Hawk Cuckoo, Brain Fever Bird	*Cuculus varius*	पपीहा
Common Indian Nightjar	*Caprimulgus asiaticus*	जंगली छपका
Common Pariah Kite	*Milvus migrans*	चील

Common Peafowl	Pavo cristatus	मोर
Common Quail	Couturnix coturnix	बटेर
Common Sandgrouse	Pterocles exustus	कुहार भटतीतर
Common Sandpiper	Tringa hypoleucos	पनेवा
Common Swallow	Hirundo rustica	अबाबील
Common Teal	Anas crecca	चैती, छोटी मुर्गाबी
Common Wood Shrike	Tephrodornis pondicerianus	खुरकटा लटोरा
Crested Hawk Eagle	Spizaetus cirrhatus	शाहबाज
Crested Lark	Galerida cristata	चंडूल
Crested Serpent Eagle	Spilornis cheela	डोगरा चील
Crested Tree Swift	Hemiprocne longipennis	ताजदार अबाबील
Crimsonbreasted Barbet, Coppersmith	Megalaima haemacephala	ठठेरा
Crow Pheasant, Coucal	Centropus siensis	महोख
Curlew	Numenius arquata	गुलिंदा
Golden Oriole	Oriolus oriolus	पीलक
Goldenbacked Woodpecker	Din opium bengalines	सोनपिठा कठफोड
Goldfronted Chloropsis	Chloropsis aurifrons	हरेवा
Goldmantled Chloropsis	Chloropsis cochinchinensis	

[illegible] Myna	[illegible]	[illegible]
Grey Heron	Ardea cinerea	[illegible]
Grey Partridge	Francolinus pondicerianus	तीतर
Grey Tit	Parus major	[illegible]
Grey Wagtail	Motacilla caspica	भूरा खंजन
Greyheaded Flycatcher	Culicicapa ceylonensis	[illegible]
Greyheaded Myna	Sturnus malabaricus	पवई
Hoopoe	Upupa epops	हुदहुद
House Crow	Corvus splendens	कौआ
House Sparrow	Passer domesticus	गौरैया
House Swift	Apus affinis	बतासी
Indian Great Horned Owl		घुग्घू
Indian Myna	Acridotheres tristis	मैना
Indian Pipit	Anthus novaeseelandiae	रूगेल
Indian Pitta	Pitta brachyuran	सतरंगा
Indian Quail	Turnix tanki	लवा
Indian Robin	Saxicoloides fullate	कलचिड़ी
Indian Small Skylark	Alauda guagula	भरुही
Indian Whiskered Tern	Chlidonias hybrida	कुररी

Indian Wren Warbler	Prinia subflava	फुदकी
Iora	Aegithina tiphia	सुभागी
Jungle Babbler	Turdoides striatus	सतभैया
Jungle Bush Quail	Perdicula asiatica	गिरजा बटई
Jungle Crow	Corvus macrorhynchos	जंगली कौआ
Jungle Myna	Acridotheres fuscus	जंगली मैना
King Vulture	Torgos calvus	राजगिद्ध
Koel	Eudynamys scolopacea	कोयल
Large Cuckoo Shrike	Coracina novaehollandiae	कसाया
Large Grey Babbler	Turdoides malcolmi	गोगाई
Large Pied Wagtail	Motacilla maderaspatensis	ममोला, खंजन
Little Brown Dove	Streptopelia senegalensis	टुटरू फाख्ता
Little Egret	Egretta garzetta	करछिया बगुला
Little Green Bittern	Butorides striatus	हरी बगुली
Little Ringed Plover	Charadrius dubius	कंठिया टिट्टिभ
Little Stint	Calidris minutus	पनलवा
Lorikeet	Loriculus vernalis	
Magpie Robin	Copsychus saularis	दहियल

Mahratta Woodpecker	Picoides mahrattensis	मराठा कठफोड़ा
Malabar Pied Hornbill	Authracoceros coronatus	मलबार अबलख धनेश
Night Heron	Nycticorax nicticorax	वाक
Painted Sandgrouse	Pterocles indicus	भटबन
Palm Swift	Cypsiurus parvus	ताड़ी अबाबील
Paradise Flycatcher	Terpsiphone paradise	दूधराज
Pied Bushchat	Saxicola caprata	काला पिद्दा
Pied Kingfisher	Ceryle rudis	कौड़िल्ला
Pied Myna	Sturnus contra	अबलख मैना
Pigmy Woodpecker	Picoides nanus	छोटा कठफोड़
Pintail Duck	Anas acuta	सींखपर
Pond Heron, Paddy Bird	Ardeola grayii	अंधा बगुला
Purple Sunbird	Nectarinia asiatica	शक्करखोरा
Purplerumped Sunbird	Nectarinia zeylonica	जुगजुगी
Quaker Babbler	Alcippe poioicephala	
Racket-tailed Drongo	Dicrurus paradiseus	भीमराज
Red Jungle Fowl	Gallus gallus	लाल जंगली मुर्गी
Red Munia, Waxbill	Estrilda amandava	लाल मुनिया
Red Spurfowl	Galloperdix spadicea	

Redrumped Swallow, Striated Swallow	Hirundo	मसजिद अबाबील
Redshank	Tringa totanus	सूरमा
Redvented Bulbul	Pycnonotus cafer	बुलबुल
Redwattled Lapwing	Vanellus indicus	टिटिहरी
Redwhiskered Bulbul	Pycnonotus jocosus	सिपाही बुलबुल
Redwinged Bush Lark	Mirafra erythroptera	अगिया
Ring Dove	Streptopelia Decaocto	धवर फाख्ता
River Tern	Sterna aurantia	बड़ी कुररी
Roseringed Parakeet	Psittacula krameri	गुलाबी-माला तोता
Rufous Woodpecker	Micropternus brachyurus	लालपिठा कठफोड़
Rufousbacked Shrike	Lanius schach	कजला लटोरा
Rufousbellied Babbler	Dumetia hyperythra	
Rufoustailed Finch Lark	Ammomanes phoenicurus	भरदूल, रेतल
Scarlet Minivet	Pericrocotus flammeus	सहेली
Shama	Copsychus malabaricus	शामा
Shikra	Accipiter badius	शिकरा
Short-toed Eagle	Circaetus gallicus	सांपमार
Sirkeer Cuckoo	Taccocua reschenaultii	सरकीर

Slatyheaded Scimitar Babbler	Pomatorhinus schisticeps	वन कचपचिया
Small Blue Kingfisher	Alcedo atthis	कौड़िल्ली
Small Green Bee-eater	Metros orientalis	पतेना
Small Minivet	Pericrocotus cinmamomeus	बुलालचश्म
Spotted Babbler	Pellorneum ruficeps	
Spotted Dove	Streptopelia chinensis	चित्ता फाख्ता
Spotted Munia	Lonchura punctulata	तेलिया मुनिया
Stone Curlew	Burhinus oedicnemus	बरसिरी
Streaked Fantail Warbler	Cisticola juncidis	घास फुदकी
Streaked Weaver Bird	Ploceus manyar	तेलिया बया
Tailor Bird	Orthotomus sutorius	दर्जी
Tawny Eagle	Aquila rapax	उकाब
Thickbilled Flowerpecker	Dicaeum agile	फुलसूंघी
Tickell's Blue Flycatcher	Muscicapa thalassina	अधरंग
Tickell's Flowerpecker	Dicaeum erythrorhynchos	
Tree Pie	Dendrocitta vagabunda	महालट
Verditer Flycatcher	Terpsiphone paradise	नीलकटकटिया
White Eye	Zosterops palpebrosa	बबूना

White Ibis	Threskiormis aethiopica	सफेद बुज्जा
White Scavenger Vulture	Nephron percnopterus	गोबर गिद्ध
White Stork	Ciconia ciconia	गैबर
White Wagtail	Motacilla alba	धोबन
Whitebacked Munia	Lonchura malabarica	शाकारी मुनिया
Whitebacked Vulture	Gyps bengalensis	चमर गिद्ध
Whitebellied Drongo	Dicrurus caerulescens	केशराज, पहाड़ी भुजंगा
Whitebreasted Kingfisher	Halcyon smyrnensis	किलकिला
Whitebreasted Waterhen	Amaurornis phoenicurus	डाउक
White-eyed Buzzard	Butastur teesa	टीसा
Whitenecked Stork	Ciconia episcopus	लगलग
Whitespotted Fantail Flycatcher	Rhipidura albicollis	छतरदुमा
Wiretailed Swallow	Hirundo smithii	लीशरा
Wood Sandpiper	Tringa glareola	वन जलरंक
Yellow Wagtail	Motacilla flava	
पन पीलक	Yelloweyed Babbler	Chrysomma sinense
गुलबाचश्म	Yellowheaded Wagtail	Motacilla citreola
श्वेतसिर पन पीलक	Yellowthroated Sparrow	Petronia xanthocollis

राजी	Yellow-wattled Lapwing	Vanellus malabaricus

सरीसृप

महासागरों में जीवन का उद्भव होने के बाद पृथ्वी के स्थल भागों को आबाद करनेवाले प्रथम जीवों में सरीसृप हैं। इसमें उन्हें मदद मिली उनकी शुष्क शल्कदार चमड़ी, कड़े खोलवाले अंडे जिन्हें जलीय परिवेश में रखना आवश्यक न था और मजबूत पैरों से, जिनकी सहायता से वे जमीन पर चल सकते थे। पक्षियों और स्तनधारियों के विकास के पश्चात सरीसृपों का पराभव शुरू हो गया। आज डायनोसोर जैसे विशालकाय सरीसृप विलुप्त हो चुके हैं। फिर भी पृथ्वी में 4,000 से अधिक प्रकार के सरीसृप पाए जाते हैं। सरीसृपों के पांच मुख्य प्रकार होते हैं – छिपकली, सांप, मगर, कछुए और टुआटारा। पलामू के प्रमुख सरीसृपों में शामिल है अजगर, जो पलामू के वनों का सबसे बड़ा सरीसृप है। वह लंबाई में 10 मीटर से भी अधिक हो सकता है। वह एक विषहीन सर्प है जो अपने शिकारों को कुंडलियों में भींचकर उनका दम घोंटकर मारता है। अजगर सामान्यतः चूहे आदि छोटे प्राणियों का शिकार करता है, परंतु वह चीतलों के छौने, सूअरों के बच्चे आदि बड़े प्राणियों को मारने में भी सक्षम है। पलामू के विषैले सर्पों में शामिल हैं करैत, नाग और दबोइया। पलामू में कई प्रकार की छिपकलियां भी पाई जाती हैं, जिनमें से सबसे बड़ी गोह है जो मरे हुए जानवरों का अवशेष भी खाती है और खुद भी छोटे जीवों का शिकार करती है। पलामू के सरीसृपों की सूची

अंग्रेजी नाम	वैज्ञानिक नाम	हिंदी नाम
Red Sand Boa	Eryx johnii	दुमुंहा
Indian Cobra	Naja naja naja	नाग
King Cobra	Ophiophagus hannah	नागराज
Banded Krait	Bungarus fasciatus	धारीदार करैत
Common Krait	Bungarus caeruleus	करैत
Indian Python	Python molurus	अजगर
Rat Snake	Ptyas mucosus	धामन

Russel's Viper		दबोइया
Chameleon	Chameleon calcarata	बहुरूपिया, गिरगिट
Indian House Gecko	Hemidactylus flaviviridus	छिपकली
Rock Lizard	Agama buberculatus	चट्टानी छिपकली
Monitor Lizard	Varanus monitor	गोह

पेड़ पौधे

पेड़-पौधों की दृष्टि से पलामू अत्यंत समृद्ध है। यहां लगभग प्रकार के पेड़-पौधे हैं, जिनमें शामिल हैं 139 जड़ी-बूटियां। पलामू के प्रमुख वनस्पतियों में शामिल हैं साल, पलाश, महुआ, आम, आंवला और बांस। बांस हाथी और गौर समेत अनेक तृणभक्षियों का मुख्य आहार है।

झारखंड के प्रतीक

साल झारखंड राज्य का प्रतीक वृक्ष है। झारखंड राज्य का प्रतीक पुष्प पलाश है। पलाश गर्मियों में फूलता है और तब उसके बड़े आकार के लाल फूलों से सारा जंगल लाल हो उठता है, मानो जंगल में आग लग गई हो। इसीलिए पलाश को जंगल की ज्वाला के नाम से भी जाना जाता है। उसके अन्य नाम हैं टेसू और ढाक।

पलामू के वन

पलामू में निम्नलिखित प्रकार के वन पाए जाते हैं:

शुष्क मिश्रित वन

पहाड़ियों की खुली चोटियों में और पहाड़ों के दक्षिण और पश्चिम भागों में जहां कम बारिश होती है, ऐसे पेड़-पौधे पाए जाते हैं जो शुष्क जलवायु को बर्दाश्त कर सकते हैं। मैदानों में बेल वृक्ष के वन हैं। इन वनों में अन्य प्रकार के वृक्ष कम ही होते हैं। यह झूम खेती के कारण है। इन मिश्रित वनों में साल के पेड़ लगभग नहीं होते। चूंकि पेड़ों की डालें बार-बार काटी जाती हैं और अति चराई और आग का खतरा बराबर बना रहता है, इसलिए पेड़ बौने और मुड़े-तुड़े होते हैं और उनकी ऊंचाई 6-7 मीटर से अधिक नहीं होती।

साल वन

तीन प्रकार के साल वन पलामू में मौजूद हैं।

- शुष्क साल वन

मैदानों, नीची पहाड़ियों और पहाड़ों के पूर्वी और उत्तरी भागों में मिलते हैं। यद्यपि इन वनों में साल वृक्ष का आधिपत्य है, फिर भी वृक्ष 25 मीटर से अधिक ऊंचाई नहीं प्राप्त करते।

- नम साल वन

पहाड़ों की निचली ढलानों, विशेषकर कोयल नदी के दक्षिण में स्थित बरेसाद वनखंड की घाटियों में मिलते हैं। इन वनों में साल अच्छी तरह बढ़ता है और 35 मीटर से अधिक ऊंचा होता है। इन वनों के बीच में जगह-जगह खाली स्थान नजर आते हैं। यहां पहले खेत हुआ करते थे।

- पठारी इलाकों का साल वन

नेत्रहाट पठार में 1,000 मीटर की ऊंचाई पर मिलता है। यहां केवल साल वृक्षों के विस्तृत वन हैं। यह वन मूल वन के काटे जाने के बाद उग आया वन है।

नम मिश्रित वन

इस प्रकार के वन घाटियों के निचले भागों और बड़ी नदियों के मोड़ों के पासवाले समतल इलाकों में मिलते हैं। यहां सब मिट्टी में अतिरिक्त नमी रहती है जो गर्मियों के दिनों भी बनी रहती है। यहां वृक्षों की घटा पूर्ण होती है इसलिए जमीन तक अधिक रोशनी नहीं पहुंचती, जिससे जमीन पर घास कम होती है।